भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-897

गुरूवार, 27 जुलाई, 2023/5 श्रावण, 1945 (शक)

श्रम बल भागीदारी अनुपात

897. श्री जवाहर सरकारः

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में वर्तमान में और पिछले पांच वर्षों में सालाना श्रम बल भागीदारी अनुपात (एलएफपीआर) क्या है;

(ख) इस क्षेत्र में नेपाल, बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों की तुलना में एलएफपीआर इतना कम होने के क्या कारण हैं;

(ग) उन्नत देशों की तुलना में इसके लगभग 20 प्रतिशत कम होने के क्या कारण हैं; और

(घ) वर्तमान में बेरोजगारी अनुपात क्या है और पिछले पांच वर्षों में औसत वार्षिक बेरोजगारी कितनी है?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (घ): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा वर्ष 2017-18 से करवाए जा रहे आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़े संग्रह किए जाते हैं। सर्वेक्षण की अवधि, जुलाई से अगले वर्ष जून तक होती है। नवीनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों के दौरान सामान्य स्थिति आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की अनुमानित श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) और बेरोजगारी दर (यूआर) निम्नानुसार हैं:

(% में)

वर्ष	एलएफपीआर	यूआर
2017-18	49.8	6.0
2018-19	50.2	5.8
2019-20	53.5	4.8
2020-21	54.9	4.2
2021-22	55.2	4.1

स्रोत: पीएलएफएस, एमओएसपीआई

आंकड़ें दर्शाते है कि देश में पिछले कुछ वर्षों से श्रम बल भागीदारी दर में वृद्धि की प्रवृत्ति रही है और इससे बेरोजगारी दर में गिरावट की प्रवृति रही है।

विभिन्न देशों के श्रम बल भागीदारी दरों पर राष्ट्रीय आंकड़े, अवधारणाओं और पद्धतियों में अंतर के कारण आपस में तुलनीय नहीं हो सकते हैं।

भारत में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग की 55% से अधिक आबादी श्रम बल में भाग ले रही है और इससे एलएफपीआर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

*****